जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-20 | जयपुर, सोमवार, 25 मई, 2026 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

जेसीएस अध्यक्ष कंचन आनंद के प्रयास लाए रंग

➡ पहली बार एक मंच पर आए 27 म्यूजिकल ग्रुप्स ➡ हम साथ साथ हैं संगीत संध्या का हुआ सफल आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)

एक बार फिर जेसीएस अध्यक्ष कंचन आनंद ने साबित कर दिया की एक जुट होकर ही आगे बढ़ा जा सकता है । जी हाँ ! जयपुर कल्चरल सोसाइटी का कार्यक्रम हम साथ साथ हैं सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। पहली बार इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर 27 ग्रुप्स के फाउंडर, डायरेक्टर और एडमिन के साथ शहर के म्यूजिक लवर्स ने भाग लिया। संस्था के 40 साल पूरे होने पर यह संगीत संध्या जयपुर के वैशाली नगर स्थित शुभ विलास होटल में आयोजित की गयी। कत्थक गुरु और वरिष्ठ अभिनेत्री ऊषा श्री ने आए हुए सभी कलाकारों को आशीर्वाद दिया

जेसीएस अध्यक्ष कंचन आनंद ने बताया कि 60 गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। जयपुर कल्चरल सोसाइटी के संरक्षक के के पारीक, उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजोरा और अध्यक्ष कंचन आनंद ने सभी को माला और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। टाइटल सॉन्ग हम साथ साथ हैं गीत को सभी ने मिलकर गाया। इस गीत पर

जयपुर के होनहार सैक्सोफोन प्लेयर खालिद खान ने सैक्सोफोन बजाकर कार्यक्रम में जोश ला दिया। 15 मिनट की ये प्रस्तुति एक मिसाल बन गई। सभी ने मिलकर गाने गाए, खाना खाया। संस्था का उद्देश्य यही था कि सभी लोग एकता के साथ मिल जुलकर कार्यक्रम आयोजित करें।

उद्घोषक योगेंद्र सिंह राजोरा ने अपनी एन्करिंग से माहौल को खुशनुमा बना दिया। JCS फेमिली के मेंबर आनंद शर्मा और मुकेश मुतरेजा ने कार्यक्रम की व्यवस्था को बनाए रखा।

आखिर में अध्यक्ष कंचन आनंद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गायक कलाकारों में एनएस मेहता , नीरा राजबंशी , फतह अली, सोनिया शर्मा, मुकेश मुतरेजा, आनंद शर्मा, अभिषेक माथुर, समीर सैन, धर्मेंद्र उपाध्याय, भारत जोशी, राजीव कुमार, मोहित मोहता, प्रणव पारीक, जितेंद्र गहलोत, रुचि मोहता, विल्सन राय, रोहिणी राय, उर्मिला न्याति, एसएन न्याति, उमा श्रीवास्तव, अनुराग सिन्हा, तुलसीदास हरपलानी, अपर्णा बाजपेई, राजेश भटनागर, अजोय कल्ला, अरुणा जैन, चंद्रकला शर्मा, शीला जांगिड़, महेश शर्मा, ब्रजेश कुलश्रेष्ठ, जगदीश सोनी, गिरिराज सिंह, प्रकाश पाठक, रामप्रकाश, ओम प्रकाश सोनी, प्रशंसा श्रीवास्तव, रीतेश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रतिभा शर्मा, पंकज लीला, मुकेश गुप्ता, एमएल छाबड़ा, अनीता छाबड़ा, कमल जामवाल, रामरतन शर्मा, विजय कुमार सोनी, हंसराज राजोरिया, अरविंद शर्मा, रवींद्र शर्मा, राजकुमार चौपड़ा, पूनम चार्ल्स, नीरज नंद के नाम रहे। वहीं राजदीप सैनी की बेहतरीन फोटोग्राफी रही।

चौमूं में इण्डेल मनी की नई शाखा का पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया शुभारंभ

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं शहर के धौलीमंडी स्थित बैंक ऑफ इंडिया के पास देश की प्रतिष्ठित गोल्ड लोन कंपनी इण्डेल मनी (Indel Money) की नई शाखा का भव्य

उद्घाटन किया गया। यह पूरे भारत में कंपनी की 401वीं शाखा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा रहे, जिन्होंने फीता काटकर और दीप प्रवलित कर शाखा का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामलाल शर्मा ने कहा कि चौमूं क्षेत्र में वित्तीय सेवाओं के विस्तार से स्थानीय व्यापारियों और आमजन को काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि कंपनी अपनी बेहतरीन सेवाओं से क्षेत्र के विकास में सहभागी बनेगी।

इण्डेल मनी कंपनी की विश्वसनीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा क्वालिटी बिजनेस के लिए अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

उद्घाटन समारोह के दौरान मदन लाल कुमावत, संदीप शर्मा, भारत भूषण पारीक सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके साथ ही इण्डेल मनी के एरिया मैनेजर वीरेंद्र सिंह, चौमू ब्रांच मैनेजर माही चौधरी और समस्त स्टाफ ने आए हुए अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित किया NGOs कॉन्क्लेव

जयपुर (हमारा वतन)

जयपुर के इतिहास में पहली बार NGOs का कॉन्क्लेव हुआ। जिसका उद्देश्य ग्रास रूट NGOs को एक मंच उपलब्ध करवाना था। जिसमें अनेकों NGOs ने भाग लिया। NGOs की समस्याओं और समाधान पर चर्चा की गई। पैनल डिस्कशन किए गए जिसमें विद्वजनों ने अपने विचार ही व्यक्त नहीं किए वरन मार्गदर्शन भी किया। किस प्रकार डॉक्यूमेंट्स बनाए जाएं। डोनर्स को किस प्रकार एप्रोच किया जाए। किस प्रकार सहयोग और सहकार्यता से दो या अधिक NGOs समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। साथ ही NGOs किस प्रकार लीगल और वित्तीय मामलों को डील करें बताया गया।

कॉनक्लेव का आयोजन प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट, ऑनर टिल फाउंडेशन और नोवा टेरा फेडरेशन और इनके हेल्थ पार्टनर सी के बिरला हॉस्पिटल के सहयोग से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि रिटायर्ड जस्टिस जे के राका थे और गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. अमला बत्रा ने कॉन्क्लेव के उद्देश्य की प्रशंसा की।

प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी रेणु वशिष्ठ ने दिए सदी के महा संदेश सत्य से प्रेम, प्रेम से कर्म करें के पोस्टर का विमोचन भी कॉनक्लेव में हुआ। डॉ. गीता पारीक संस्थापक ऑनर टिल फाउंडेशन ने, ईमानदारी का गल्ला और मुझे भी कुछ कहना है प्रोजेक्ट्स के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। नोवा टेरा फेडरेशन की डायरेक्टर मयूरी जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सत्यमेव जयते के उदघोष के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

केसी बोकाड़िया की तीसरी बेगम फिल्म बनी महिला स्वाभिमान की आवाज़

मुंबई (हमारा वतन)

भारतीय सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर के. सी. बोकाड़िया एक बार फिर एक बेहद संवेदनशील, वलंत और सामाजिक सरोकार से जुड़ी फिल्म तीसरी बेगम के साथ दर्शकों के बीच हैं। यह फिल्म महज मनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि समाज में तीन तलाक, गुमराह करके धर्म परिवर्तन और महिलाओं के आत्मसम्मान जैसे गंभीर मुद्दों पर करारा प्रहार करती है। फिल्म समीक्षकों द्वारा तीसरी बेगम को 4/5 स्टार की शानदार रेटिंग दी गई है, जो इसकी मजबूत कहानी और बेहतरीन निर्देशन की तस्दीक करती है।

तीसरी बेगम की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गुमराह होकर एक ऐसे व्यक्ति से शादी कर लेती है जिसकी पहले से दो पत्नियां हैं। इसके बाद उसे जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। फिल्म मुख्य किरदार की बेबसी, उसके दर्द और फिर उन रूढ़िवादी सामाजिक मापदंडों के खिलाफ उठ खड़े होने के जबे को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारती है। फिल्म का शीर्षक ही दर्शकों में

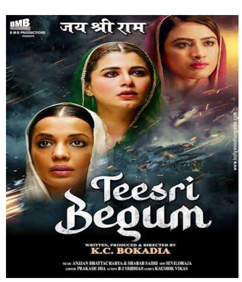

गहरा कौतूहल और सस्पेंस पैदा करता है।

फिल्म बहुत ही मुखरता से यह संदेश देती है कि एक महिला का आत्मसम्मान और गरिमा किसी भी सामाजिक समझौते या दबाव से ऊपर है। निर्देशक के. सी. बोकाड़िया ने फिल्म के गंभीर विषय को बिना लाउड (loud) किए, बेहद परिपक्वता, सादगी और संवेदनशीलता के साथ पेश किया है।

फिल्म के डायलॉग्स सीधे दर्शकों के दिल पर चोट करते हैं। विशेषकर महिलाओं के अधिकारों और आत्मसम्मान पर लिखे गए संवाद सिनेमाघरों में तालियां बटोर रहे हैं। मुख्य अभिनेत्री सहित सभी कलाकारों ने अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय किया है। मुख्य किरदार का संघर्ष स्क्रीन पर साफ झलकता है। तीसरी बेगम एक ऐसी फिल्म है जिसे हर उस शख्स को देखना चाहिए जो समाज में बदलाव और बराबरी की सोच रखता है। के. सी. बोकाड़िया एक ऐसी फिल्म बनाने में पूरी तरह सफल रहे हैं जो न केवल दर्शकों को बांधे रखती है, बल्कि उन्हें एक गहरे विचार के साथ थियेटर से बाहर भेजती है। यह फिल्म महिलाओं के हक और आत्मसम्मान को एक नया दृष्टिकोण देती।

IIFFCA द्वारा आत्मनिर्भर विद्यार्थी अभियान के तहत होगी फिल्म मेकिंग वर्कशॉप, जयपुर के युवा रचेंगे सशक्त सिनेमा

जयपुर (हमारा वतन)

भारतीय फिल्म एवं मीडिया उद्योग में युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) तथा इंडो इंटरनेशनल फिल्म फाउंडेशन ऑफ कल्चर एण्ड आर्ट्स फेडरेशन (IIFFCA Federation) ने संयुक्त रूप से आत्मनिर्भर विद्यार्थी अभियान - स्टूडेंट फिल्म मेकिंग वर्कशॉप तथा IIFFCA फिल्म फेस्टिवल 2026 के संयोजन की घोषणा की है।

इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, युवा फिल्मकारों, कटेंट क्रिएटर्स एवं मीडिया क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं को फिल्म निर्माण की व्यावहारिक जानकारी, उद्योग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन तथा अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का राष्टीय मंच प्रदान करना है।

IIFFCA फेडरेशन के डायरेक्टर एवं सीईओ दिव्यांक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 जून 2026 को एक दिवसीय सेमिनार तथा 25 जून 2026 से 12 दिवसीय स्टूडेंट फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन जयपुर में किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को फिल्म निर्देशन एवं स्टोरीटेलिंग, पटकथा लेखन एवं कंटेंट डेवलपमेंट, सिनेमैटोग्राफी एवं कैमरा तकनीक, एडिटिंग एवं पोस्ट-प्रोडक्शन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित फिल्म निर्माण, OTT एवं डिजिटल कंटेंट निर्माण, अभिनय एवं परफॉर्मेंस तकनीक, प्रोडक्शन मैनेजमेंट एवं इंडस्ट्री वर्कफ़्लो, फिल्म मार्केटिंग एवं वितरण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इसके साथ ही IIFFCA फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए फिल्मो की एंट्री 21 जून 2026 से आमंत्रित की जाएंगी।

यह फिल्म महोत्सव विद्यार्थियों, स्वतंत्र फिल्मकारों, मीडिया संस्थानों, प्रोडक्शन हाउसों एवं पेशेवर फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्मों के प्रदर्शन एवं सम्मान का अवसर प्रदान करेगा।

IIFFCA फिल्म फेस्टिवल 2026 की महत्वपूर्ण तिथियाँ- फिल्म जमा करने की प्रारम्भ तिथिः 21 जून 2026, फिल्म जमा करने की अंतिम तिथिः 5 अगस्त 2026, आधिकारिक फिल्म स्क्रीनिंगः 23 अगस्त 2026, IIFFCA फिल्म अवॉर्ड्स समारोहः 30 अगस्त 2026।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं फिल्मकारों को FWICE एवं IIFFCA फेडरेशन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र, फिल्म एवं मीडिया विशेषज्ञों से मार्गदर्शन, फिल्मकारों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों से मिलने एवं जुड़ने का अवसर, अपनी फिल्म को दर्शकों और जूरी के सामने प्रदर्शित करने का मौका, भविष्य की फिल्म एवं मीडिया परियोजनाओं में जुड़ने के अवसर, करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। IIFFCA फेडरेशन के डायरेक्टर एवं सीईओ दिव्यांक शर्मा ने बताया कि यह पहल भारत के युवाओं को रचनात्मक, तकनीकी एवं उद्यमशील कौशलों से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान शिक्षा, कला, संस्कृति, तकनीक एवं सिनेमा को एक मंच पर लाकर नई पीढ़ी के फिल्मकारों को उद्योग से जोड़ने का कार्य करेगा। देशभर के विद्यार्थी, युवा फिल्मकार, शिक्षण संस्थान एवं मीडिया क्षेत्र में रुचि रखने वाले सभी प्रतिभागियों को इस अनूठे आयोजन में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया जाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेन्स के दौरान IIFFCA Federation कोषाध्यक्ष टीना शर्मा, निर्देशक लखविन्द्र सिंह, निर्माता एनके मित्तल, एक्टर ज़हीर शेख, सिकंदर चौहान सहित फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग मौजूद रहे।

सुबोध पब्लिक स्कूल सांगानेर में मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह आयोजित

जयपुर (संस्कार सृजन)

सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल में कक्षा XII की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और शैक्षणिक उत्कृष्टता के जश्न के रूप में मनाया गया।

समारोह की शुरुआत एक बेहद अनूठी और प्रेरणादायक पहल के साथ हुई। बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्रों ने जूनियर कक्षाओं का रुख किया और अपने छोटे भाई-बहनों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा में सफलता के सीधे अनुभव और टिप्स साझा किए, जिससे जूनियर छात्रों का हौसला और मनोबल काफी बढ़ा।

समारोह में विद्यालय के ओवरऑल टॉपर्स और विषयवार टॉपर्स को प्रतिष्ठित ट्रॉफी और योग्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ईपी आईपी और मनोविज्ञान विषयों में शत-प्रतिशत अंक हासिल करने वाले होनहारों को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

ह्यूमैनिटिज में दिव्या सोनी 95%, विज्ञान - पीसीएम में चार्वी जैन 94.6%, पीसीबी में मैत्रेयी पारीक 93.8%, वाणिय में विद्या साहू 92.2% टोपर्स रहे ।

विद्यालय की प्रधानाचार्या आशी श्रीवास्तव ने विद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने सफलता का श्रेय सभी को देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने बेहतरीन परिणाम लाकर स्कूल का परचम लहराया है। इस शानदार सफलता के पीछे हमारे समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के अटूट सहयोग का बहुत बड़ा हाथ है। यह सामूहिक प्रयासों का ही सुखद परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने दी वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान राशि में वृद्धि को मंजूरी

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राय सरकार पत्रकार कल्याण, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने राय के पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को 15 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शर्मा द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना में संशोधन कर पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि में वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये करने की अधिसूचना जारी कर दी है।

डीआईपीआर द्वारा जारी राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना (संशोधन) नियम-2026 के अनुसार ऐसे पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार, जिन्होंने दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी के संपादक, प्रकाशक व मालिक सहित) और जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वे प्रतिमाह 18 हजार रुपये सम्मान राशि के पात्र होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने की घोषणा की थी। इस बजट घोषणा की अनुपालना में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने यह अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के बाद वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को मिलने वाली सम्मान निधि की राशि भी 7 हजार 500 रुपये से बढ़कर 9 हजार रुपये हो गई है।

जीत की कहानी

तुम हार मत मानो, यही जीत की कहानी होगी,
थोड़ी धार दो शब्दों को, ये दुनिया दीवानी होगी।
लगाएंगे नमक लोग तुम्हारे जख्मों पर,
तुम्हारी सांसों तक की नीलामी होगी।
हँसेंगे लोग तुम पर, कोई जुमले उछालेंगे,
मगर जो शोहरत मिलेगी, तुम्हारी खानदानी होगी।
दिल के दर्द को ढालो शब्दों में, एक माला बनाओ,
पढ़ेंगे लोग दिल की नजर से, आँखें फिर पानी-पानी होंगी।
किस्से बनेंगे, कहानियाँ बनेंगी, चर्चे तुम्हारी बातों के होंगे,
सपने सभी सच होंगे, एक नई रवानी होगी,
तुम हार मत मानो, यही जीत की कहानी होगी।

विनोद शर्मा वेणु

1 अगस्त को जयपुर में होगा आपणो घूमर-2026 कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। सद्भावना परिवार द्वारा आपणो घूमर-2026 के पोस्टर का भव्य विमोचन पत्रिका गेट, जयपुर पर किया गया। सद्भावना परिवार के अध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने घोषणा की कि 01 अगस्त 2026 को जयपुर में एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है, जिसमें 10,000 महिलाएं एक साथ घूमर नृत्य की प्रस्तुति देकर विश्व रिकॉर्ड बनाएंगी।

पोस्टर विमोचन समारोह में शिवकांता पाण्डेय (सद्भावना परिवार), अंजली सिसोदिया, चमन विजय, आरती माथुर, प्रतिमा भारद्वाज, मुस्कान पारवानी, सुजाता शर्मा, मीना सिंघल, प्रीति जैन, नेहा गांधी, मीनाक्षी जैन, कीर्ति शर्मा, सपना जैन, दौलत शर्मा, योति गुप्ता, कविता, अंकिता मिश्रा सहित अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

कोरियोग्राफर टीम में सोनू कुमावत, दीपाली गुप्ता, सीमा सेठी, विशाल कटारिया, पूजा दाबाई, सोनू मल्होत्रा एवं रोहित शर्मा - वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड धारक घूमर कोरियोग्राफर ने आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मनोज पाण्डेय ने कहा कि आपणो घूमर केवल नृत्य नहीं, बल्कि नारी शक्ति, संस्कृति और आत्मविश्वास का संगम है। घूमर राजस्थान की शान है - 01 अगस्त को जयपुर दुनिया को राजस्थान की ताकत दिखाएगा।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. इंडियन रेलवे, पद असिस्टेंट लोको पायलट, पद संख्या 11127, अंतिम तिथि 16 जून 2026
2. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन पद सीजीएल, पद संख्या 12256, अंतिम तिथि 22 जून 2026
3. उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड , पद टेक्निकल असिस्टेंट ग्रुप सी, पद संख्या 2759, अंतिम तिथि 11 जून 2026
4. बैंक ऑफ़ बडौदा, पद अप्रेंटिस , पद संख्या 5000, अंतिम तिथि 8 जून 2026
5. संघ लोक सेवा आयोग, पद एनडीए/सीडीएस पद संख्या 394/451 अंतिम तिथि 9 जून 2026
6. नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड, पद फील्ड रिस्पेक्टिव एनडीएससी इंचार्ज, पद संख्या 40, अंतिम तिथि 12 जून 2026
7. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 7150, अंतिम तिथि 8 जून 2026
8. इंडियन एयर फोर्स, पद एएफसीएटी, पद संख्या 482, अंतिम तिथि 19 जून 2026

कोई पंजाब की सुंदरी तो कोई जयपुर की शान, मिलिए नागिन शो की उन एक्ट्रेसेस से जिन्होंने टीवी पर मचाया घमासान

बंगाल की सुंदरी मौनी रॉय के शुरुआती जादू से लेकर, जयपुर की धाकड़ प्रियंका चाहर चौधरी के लेटेस्ट सीजन तक, नागिन शो की लीड एक्ट्रेसेस ने हमेशा दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।नागिन! साल 2015 से शुरू हुआ एकता कपूर का यह जादुई शो आज भी दर्शकों के दिलों पर राज कर रहा है। लेकिन इस शो की असली जान हैं इसकी इच्छाधारी नागिनें, जिन्होंने न सिर्फ अपनी कातिलाना अदाओं से स्क्रीन पर आग लगाई, बल्कि अपनी दमदार एक्टिंग से TRP के सारे रिकॉर्ड्स भी तोड़ दिए। आइए आपको बताते हैं कि ये नागिनें किस शहर से हैं।

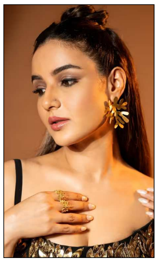

मौनी रॉय (सीजन 1 और 2)–मौनी रॉय का जन्म 28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में रहने वाले एक बंगाली भाषी राजबंशी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2006 में एकता कपूर के मशहूर ड्रामा सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी से किया था। नागिन शो में शिवन्याके किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और आज वह बॉलीवुड की भी एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं।

अदा खान (सीजन 1 और 2)–अदा खान का जन्म 12 मई 1989 को मुंबई, महाराष्ट में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की थी और कई विज्ञापनों में काम किया थी। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन का रुख किया और साल 2009 में सोनी टीवी के शो पालमपुर एक्सप्रेस में विग्या की भूमिका निभाकर डेब्यू किया। नागिन में शेषनागिन शेषा के रूप में उनके ग्रे शेड किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

सुरभि ज्योति (सीजन 3)–सुरभि ज्योति का जन्म 29 मई 1988 को जालंधर, पंजाब में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत क्षेत्रीय थिएटर और पंजाबी फिल्मों से की थी, और वह एक रेडियो जॉकी भी रह चुकी हैं।

मसाला फिल्मों से कोर्टरूम ड्रामा तक, सोनाक्षी सिन्हा ने बताया कैसे बदला उनका फिल्मी सफर

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह की फिल्में की हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म सिस्टम को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने आईएएनएस से अपने फिल्मी सफर, पुराने किरदारों और बदलती पसंद के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि समय के साथ न सिर्फ उनके काम करने का तरीका बदला, बल्कि अब वह अपने रोल्स को पहले से ज्यादा सोच-समझकर चुनती हैं। आईएएनएस से बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने अपने शुरुआती दौर की फिल्मों को याद किया। उन्होंने कहा, जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा थी जो कलरफुल, मनोरंजन से भरपूर और पूरी तरह मसाला अंदाज की होती थीं। आर. राजकुमार और राउडी राठौर जैसी फिल्मों में काम करके काफी मजा आया। उस समय मैं अपने करियर के ऐसे दौर में थी, जहां दर्शक मुझे उसी अंदाज में देखना पसंद करते थे। उन्होंने कहा, मैंने इन किरदारों को पूरी ईमानदारी और खुशी के साथ निभाया। लेकिन हर कलाकार के जीवन में अलग-अलग चरण आते हैं और हर दौर में दर्शकों की पसंद और इंडस्ट्री की मांग भी बदलती रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा, अब मैं अपने करियर के ऐसे मोड़ पर हूं, जहां मैं सिर्फ वही काम करना चाहती हूं, जो मुझे अंदर से संतुष्टि देता हो। अब मैं खुद को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में देखती हूं, जो हर तरह के किरदार निभा सके। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे ऐसी कलाकार के रूप में देखें, जिसे किसी भी तरह की फिल्म में रखा जा सके। अब मैं सिर्फ वही काम कर रही हूं, जो मैं सच में करना चाहती हूं।सोनाक्षी ने अपने पुराने फिल्मी सफर को लेकर भी आभार जताया। उन्होंने कहा, अगर मैंने शुरुआत में मसालेदार फिल्में नहीं की होतीं, तो शायद आज मुझे ऐसे अलग और गंभीर किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।

लगातार सीखना और जमीन से जुड़े रहना ही असली विकास : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म अस्तित्व (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में %खुशी चौटाला% की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म इंडिया हाउस में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें सती नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है। फिल्म में सई के साथ निखिल सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में हैं।

अजय चौहान के पदोन्नति पर किया अभिनंदन

जालोर (हमारा वतन)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जालोर के कर्मचारी अजय चौहान वरिष्ठ सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति होने पर अभिनंदन किया गया। इस दौरान दलपतराम चौहान साफाडा, तगाराम सामतीपुरा, भंवरलाल सामतीपुरा, कुयाराम सामतीपुरा, भंवरलाल माली आदि मित्र बन्धुओं ने मुंह मीठा कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था ने लगाए परिंडे

जयपुर (हमारा वतन)

जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के तत्वावधान में जारी परिंडा लगाओ अभियान के तहत महिला प्रकोष्ठ के द्वारा टिंकू शर्मा के सानिध्य में इंदिरा कॉलोनी में विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाकर उनमें नियमित जल डालने का संकल्प लिया गया।

टिंकू शर्मा ने कहा कि हम सबको भीषण गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर मंजू पारीक, अनीता शर्मा, कविता शर्मा, प्रीति, ममता, कविता सहित मातृशक्ति ने भागीदारी की।

युवाओं की पहली पसंद बने खादी के कुर्ते व शर्ट

शाहजहांपुर (हमारा वतन)। तापमान बढ़ने के साथ ही खादी के कपड़ों की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। भीषण गर्मी के बीच लोग हल्के, आरामदायक और त्वचा के अनुकूल कपड़ों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वर्तमान में बंगाल की मशलीन और पोली खादी लोगों की पहली पसंद बनी है। युवा भी खादी के कुर्ते-पायजामा व पैंट-शर्ट को तरजीह दे रहे हैं। खादी ग्रामोद्योग आयोग के गोविंदगंज स्थित प्रतिष्ठान पर इन दिनों खरीदारों की संख्या बढ़ गई है। अप्रैल और मई में खादी के कपड़ों की बिक्री में उछाल आया है। जिला प्रबंधक सतीश चंद्र मिश्रा बताते हैं कि गर्मी में खादी के कपड़े पसीना सोखने और शरीर को ठंडक देने में सहायक होते हैं, इससे इनकी मांग बढ़ जाती है।

इस बार युवाओं में खादी से कुर्ता और शर्ट बनवाने का खास उत्साह देखा जा रहा है। युवा इसे पारंपरिक के साथ-साथ फैशनेबल विकल्प के रूप में अपना रहे हैं। बताया कि बंगाल के मुर्शिदाबाद की मशलीन खादी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। इससे धोती, शर्ट, कुर्ता-पायजामा और पैंट तैयार कराए जा रहे हैं। इसकी कीमत 400 से 550 रुपये प्रति मीटर है।

इसके अलावा पोली खादी भी खूब बिक रही है। इसकी कीमत 280 से 300 रुपये प्रति मीटर है। वहीं तैयार शर्ट 550 रुपये, कुर्ता-पायजामा 1000 रुपये, सदरी 650 से 850 रुपये व गमछा 220 से 280 रुपये में उपलब्ध है। बताया कि पहले खादी को केवल पारंपरिक परिधान माना जाता था, लेकिन बदलते फैशन ट्रेंड के कारण अब युवाओं में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है।

डॉ. अशोक पाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

उत्तराखंड (हमारा वतन)। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिझौली में जैव विविधता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इसका अर्थ पृथ्वी पर सभी जीवित प्राणियों, जीव-जंतुओं और पौधों की विविधता तथा प्रकृति का संतुलन बनाए रखना है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य जागरूकता फैलाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। भारत में जैव विविधता का संरक्षण वर्ष 1972 से किया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षक सुधीर सैनी, आरती, खुशी, आफरीन, ऋतिक, नावेद, रिहान, तनवी, शकील, सादिक, गोपी, शबनम, सोनम आदि उपस्थित रहे।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

फिर कैसे मिले सुर मेरा-तुम्हारा

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं। दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है। ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है।

राम गोपाल सैनी

माली समाज के 120 क्रिएटर्स और पत्रकारों का हुआ भव्य सम्मान

टोंक (हमारा वतन)

माली सैनी समाज टोंक के तत्वावधान में बम्बोर रोड़ स्थित सिद्धिविनायक रिसॉर्ट में एक ऐतिहासिक डिजिटल क्रिएटर एवं पत्रकार सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। समाज के जिला अध्यक्ष पाँचूलाल सैनी की अध्यक्षता में हुए इस भव्य समागम में टोंक जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 120 प्रतिभाओं में पत्रकारों, सोशल मीडिया योद्धाओं और उभरते डिजिटल सितारों का उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक कुलदीप सैनी ने बताया कि समारोह का विधिवत आगाज़ मुख्य अतिथि जगतगुरु प्रदेशाध्यक्ष किन्नर अखाड़ा राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष तनीषा सैनी सनातनी, विशिष्ट अतिथियों, समाज के संरक्षक मंडल और सलाहकार मंडल के वरिष्ठ प्रबुद्धजनों द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित करके किया गया। इसके पश्चात् आयोजन समिति और समाज बंधुओं द्वारा मंच पर विराजमान सभी अतिथियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा, माला और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

समारोह में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के लिए ओम प्रकाश सैनी, अशोक सैनी चोरु, मदन सैनी, महेंद्र कुमार सैनी, अशोक कुमार सैनी उनियारा, दीपराज सैनी सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े कलम के सिपाहियों को मंच पर प्रमाण पत्र, दुपट्टा ,मोमेंटो स्मृति चिह्न , माला पहना कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे डिजिटल मंचों पर लाखों फॉलोअर्स के साथ समाज व क्षेत्र की बात रखने वाले 5000 से अधिक फॉलोअर्स श्रेणी के डिजिटल योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र सौंपे गए साथ ही, उभरते डिजिटल सितारों को माला व दुपट्टा पहनाकर प्रोत्साहित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि तनीषा ने कहा कि आज का युग डिजिटल सूचनाओं का युग है। हमारे समाज के युवा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और सकारात्मक विचारों को समाज के सामने ला रहे हैं, जो कि बेहद सराहनीय है। वहीं अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष पाँचूलाल सैनी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज

यूको बैंक मोरीजा में सिक्के एवं नोट एक्सचेंज मेले का हुआ आयोजन

चौमूं (हमारा वतन)। यूको बैंक मोरीजा शाखा में भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार सिक्के एवं नोट एक्सचेंज मेले का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्राहकों को रुपए 10, रुपए 20 एवं रुपए 50 के नए नोटों के पैकेट वितरित किए गए। मेले में बड़ी संख्या में ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा बैंक द्वारा त्वरित, सुगम एवं बेहतर सेवाएँ प्रदान की गई।

इस मौके पर ब्रांच मैनेजर संदीप काबरा, चेस्ट इंचार्ज दिग्विजय सिंह, सिक्योरिटी ऑफिसर बुद्धि प्रकाश मीणा और यूको बैंक ब्रांच मोरीजा,चौमूं , ढोढसर ब्रांच का स्टाफ उपस्थित रहा।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलैक्स/विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल–बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई – कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी चौमूं को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (हमारा वतन)। आम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमू में पवन कुमार प्रजापति एडवोकेट आरटीआई व मानवाधिकार आयोग के प्रदेश सह प्रभारी राजस्थान के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी चौमूं आशीष शर्मा को राष्ट्रपति के नाम एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) संस्था को भंग करने के लिए ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया कि इस संस्था द्वारा पूरे भारत में नीट के छात्रों के लिए परीक्षा हर साल आयोजित की जाती है जो हर साल पेपर लीक हो जाते हैं जिसमें लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो जाता है। जैसे 2017, 2021, 2024 और 2026 में पेपर लीक हुए परंतु इस संस्था द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। हर बार की तरह ही केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा आश्वासन दिया जाता है कि आगे से पूरी पारदर्शिता के आधार पर परीक्षा आयोजित होगी परंतु पेपर लीक होना छात्रों लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद करता है जो कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर पढ़ाई करते हैं।

इस वर्ष विभिन्न राज्यों में कई छात्रों ने मानसिक तनाव में आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली तथा नीट पेपर लीक में विश्व स्तर पर भारत की छवि खराब हो रही है तथा एनटीए को भंग किया जाना चाहिये।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष एडवोकेट अमित शर्मा, पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी सीकर सोनू अग्रवाल, पायल शर्मा आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।